The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Wednesday, August 19, 2026

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- जनरल धीरज सेठ को नेपाल द्वारा मानद जनरल रैंक से सम्मानित किया गया, जिससे द्विपक्षीय रक्षा संबंध मजबूत होंगे
- भारत ने घास के मैदान संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को खोलने के लिए पहली मार्गदर्शिका शुरू की
- हाकैंडे हिचिलेमा दूसरे कार्यकाल के लिए जाम्बिया के राष्ट्रपति फिर से चुने गए, आर्थिक सुधार जारी रखे
- भारत, थाईलैंड ने आतंकवाद विरोधी सहयोग को मजबूत करने के लिए मैत्री-XV अभ्यास का आयोजन किया
- शबनम सिन्हा को सुनील भारती मित्तल के स्थान पर एयरटेल पेमेंट्स बैंक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया
- गुजरात पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षित शक्ति अभियान शुरू किया
- अमेरिका ने भारत के एमक्यू-9बी ड्रोन लीज अनुबंध का स्वागत किया, रक्षा सहयोग को मजबूत किया
- भारत ने भूटान में तीन उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं का उद्घाटन किया, विकास साझेदारी को मजबूत किया
- भारत, आर्मेनिया ने नवाचार और संयुक्त उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रक्षा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- आरबीआई ने इंडसइंड बैंक और तीन एनबीएफसी पर 71.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

जनरल धीरज सेठ: नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित किया गया

- भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को काठमांडू के शीतल निवास में आयोजित एक अलंकरण समारोह में नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य संबंधों को उजागर करता है।

जनरल की मानद रैंक:

- मानद रैंक भारतीय सेना और नेपाल सेना के बीच एक लंबे समय से चली आ रही पारस्परिक परंपरा का हिस्सा है, जिसके तहत दोनों देशों के सेना प्रमुखों को दूसरे देश के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित किया जाता है। यह परंपरा 1950 से चली आ रही है, जब भारतीय सेना प्रमुख जनरल केएम करियप्पा नेपाल में यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले भारतीय सेना प्रमुख बने थे।

जनरल धीरज सेठ के बारे में:

- जनरल धीरज सेठ 30 जून 2026 को जनरल उपेंद्र द्विवेदी के स्थान पर 31वें सेना प्रमुख (COAS) बने।
- वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और उन्हें दिसंबर 1986 में बख्तरबंद कोर में नियुक्त किया गया था।
- अपने करियर के दौरान, उन्होंने एक बख्तरबंद रेजिमेंट, एक बख्तरबंद ब्रिगेड, जम्मू-कश्मीर में एक उग्रवाद विरोधी बल और भारतीय सेना के एक प्रमुख स्ट्राइक फॉर्मेशन सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली।

भारत-नेपाल रक्षा संबंध:

- भारत और नेपाल आपसी विश्वास, सैन्य सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंधों के आधार पर घनिष्ठ और ऐतिहासिक रक्षा संबंध साझा करते हैं।
- दोनों देश सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, रक्षा उपकरण और उच्च स्तरीय सैन्य आदान-प्रदान के माध्यम से सहयोग करते हैं।
- नेपाली सेना के जवान विभिन्न भारतीय सैन्य संस्थानों में प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं।

महत्त्व:

- सैन्य कूटनीति: भारत और नेपाल के बीच संस्थागत और सैन्य-से-सैन्य संबंधों को मजबूत करता है।
- रणनीतिक साझेदारी: अपने हिमालयी पड़ोसी के साथ भारत के घनिष्ठ रक्षा संबंधों को मजबूत करती है।
- आपसी मान्यता: पारस्परिक मानद रैंक पेशेवर सम्मान और ऐतिहासिक सैन्य सौहार्द का प्रतीक है।
- रक्षा सहयोग: जनरल सेठ ने नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल के साथ भी चर्चा की और नेपाली सेना को सैन्य और चिकित्सा उपकरण सौंपे।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- व्यक्ति: General Dhiraj Seth
- वर्तमान पद: 31 वें सेना प्रमुख, भारतीय सेना
- सम्मान: नेपाली सेना के मानद जनरल
- राष्ट्रपति: राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा सम्मानित
- स्थान: शीतल निवास, काठमांडू
- नेपाल के सेना प्रमुख: जनरल अशोक राज सिग्देल
- परंपरा: भारत और नेपाल के सेना प्रमुखों के बीच पारस्परिक मानद रैंक
- उत्पत्ति: 1950
- प्रथम भारतीय प्राप्तकर्ता: जनरल के. एम. करियप्पा
- सामरिक संबंध: भारत-नेपाल रक्षा सहयोग और सैन्य कूटनीति

भारत के घास के मैदानों और अन्य खुले प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के लिए पहली मार्गदर्शिका

- भारत ने मंगोलिया के उलानबटार में मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD) के पक्षकारों के सम्मेलन के 17 वें सत्र में भारत के घास के मैदानों और अन्य खुले प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र (ONE) के लिए अपनी पहली गाइड लॉन्च की है। मार्गदर्शिका भारत के घास के मैदानों, सवाना, रेगिस्तानों और अन्य खुले पारिस्थितिक तंत्रों की विविधता, पारिस्थितिक महत्व और सामाजिक-आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालती है।

ओपन नेचुरल इकोसिस्टम (ONEs):

- ONE स्वाभाविक रूप से या मुख्य रूप से सीमित वृक्ष आवरण के साथ खुले परिदृश्य हैं। इनमें घास के मैदान, सवाना, झाड़ी, रेगिस्तान, चट्टानी पठार, खड्ड और तटीय पारिस्थितिक तंत्र शामिल हैं। गाइड पूरे भारत में पाए जाने वाले 24 प्रकार के खुले प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों को वर्गीकृत करता है।

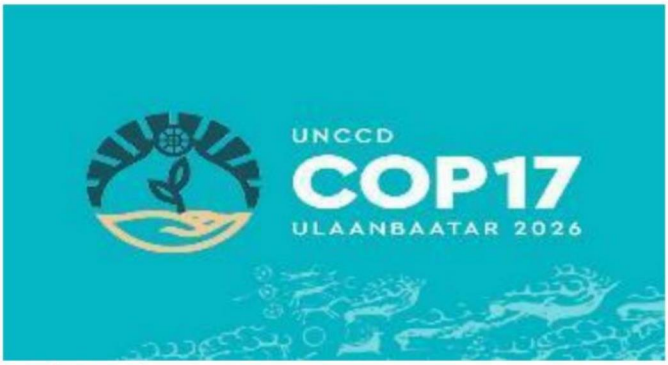

गाइड का महत्व:

- यह मार्गदर्शिका उन पारिस्थितिक तंत्रों के विज्ञान-आधारित संरक्षण, बहाली और टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने का प्रयास करती है, जिन्हें अक्सर उनके कम वृक्ष आवरण के कारण अनदेखा कर दिया जाता है। ये पारिस्थितिक तंत्र कार्बन भंडारण, मिट्टी और जल संरक्षण और जलवायु लचीलेपन में योगदान करते हुए अद्वितीय जैव विविधता, देहाती समुदायों और आजीविका का समर्थन करते हैं।

यूएनसीसीडी COP17:

- यूएनसीसीडी का सीओपी17 17 17 से 28 अगस्त 2026 तक मंगोलिया के उलानबटोर में "भूमि को बहाल करना" विषय के तहत आयोजित किया जा रहा है। आशा बहाल करना। सम्मेलन मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण, सूखा, रेंजलैंड बहाली और स्थायी भूमि प्रबंधन पर केंद्रित है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- यूएनसीसीडी: मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन
- COP17 मेज़बान: मंगोलिया
- स्थान: उलानबटार
- अंतर्राष्ट्रीय वर्ष: 2026 रेंजलैंड्स और चरवाहों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष (IYRP) है।
- रेंजलैंड: पृथ्वी की भूमि की सतह के आधे से अधिक हिस्से को कवर करते हैं और लगभग 500 मिलियन लोगों की आजीविका का समर्थन करते हैं।
- भूमि क्षरण तटस्थता (LDN): UNCCD का एक प्रमुख उद्देश्य जिसका उद्देश्य भूमि संसाधनों और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को बनाए रखते हुए भूमि क्षरण को रोकना और उलटना है।

महत्त्व:

- जैव विविधता संरक्षण: जंगलों से परे अद्वितीय प्रजातियों और आवासों को पहचानता है।
- जलवायु लचीलापन: स्वस्थ घास के मैदान और रेंजलैंड पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जलवायु अनुकूलन में योगदान करते हैं।
- आजीविका सुरक्षा: चरवाहों और स्थानीय समुदायों का समर्थन करता है।
- भूमि बहाली: भूमि क्षरण तटस्थता और स्थायी भूमि प्रबंधन की दिशा में भारत के प्रयासों को मजबूत करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- पहल: भारत के घास के मैदानों और अन्य खुले प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के लिए पहली मार्गदर्शिका
- यहां लॉन्च किया गया: UNCCD COP17
- स्थान: उलानबातार, मंगोलिया
- पारिस्थितिकी तंत्र के प्रकार: 24
- प्रमुख पारिस्थितिक तंत्र: घास के मैदान, सवाना, झाड़ी, रेगिस्तान, चट्टानी पठार, खड्ड और तटीय पारिस्थितिक तंत्र
- संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन: UNCCD
- COP17 थीम: "भूमि को बहाल करना। आशा बहाल करना।
- रणनीतिक लिंक: जैव विविधता, भूमि बहाली, जलवायु लचीलापन और स्थायी आजीविका

हाकैंडे हिचिलेमा: दूसरे कार्यकाल के लिए जाम्बिया के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने गए

- जाम्बिया के राष्ट्रपति हकैंडे हिचिलेमा को 2026 के राष्ट्रपति चुनाव में दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया है। जाम्बिया के चुनाव आयोग ने उन्हें विजेता घोषित किया, जब उन्होंने एक रन-ऑफ से बचने के लिए एकमुश्त जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त वोट हासिल किए। अंतरराष्ट्रीय मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए गए हालिया आधिकारिक परिणामों ने उनका हिस्सा लगभग 60% बताया, जबकि आकाशवाणी की रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने 51% से अधिक वोट हासिल किए।

हाकैंडे हिचिलेमा के बारे में:

- हिचिलेमा यूनाइटेड पार्टी फॉर नेशनल डेवलपमेंट (यूपीएनडी) से संबंधित हैं और पहली बार 2021 में मौजूदा राष्ट्रपति एडगर लुंगु को हराकर राष्ट्रपति बने थे। राजनीति में प्रवेश करने से पहले, वह एक व्यवसायी और अर्थशास्त्री थे।

उनका पहला कार्यकाल आर्थिक सुधारों, ऋण पुनर्गठन और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के साथ संबंधों में सुधार पर बहुत अधिक केंद्रित था।

आर्थिक महत्व:

- जाम्बिया अफ्रीका के प्रमुख तांबा उत्पादक देशों में से एक है और इसके पास तांबे और कोबाल्ट के महत्वपूर्ण भंडार हैं। हिचिलेमा की सरकार ने खनन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और तांबे के उत्पादन को बढ़ाने की मांग की है। जाम्बिया की आर्थिक वसूली में अपने ऋण संकट के बाद $ 12 बिलियन से अधिक के ऋण का पुनर्गठन भी शामिल है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- राजधानी: लुसाका
- मुद्रा: जाम्बियन क्वाचा
- राजभाषा: अंग्रेजी
- स्वतंत्रता: 24 अक्टूबर 1964
- महाद्वीप: अफ्रीका
- क्षेत्र: दक्षिणी अफ्रीका
- प्रमुख संसाधन: तांबा
- राष्ट्रपति: हाकाइंडे हिचिलेमा
- राजनीतिक दल: यूनाइटेड पार्टी फॉर नेशनल डेवलपमेंट (यूपीएनडी)
- निर्वाचन निकाय: जाम्बिया का चुनाव आयोग

महत्त्व:

- राजनीतिक निरंतरता: आर्थिक सुधारों को लागू करने के लिए हिचिलेमा को एक और पांच साल का जनादेश प्रदान करता है।
- आर्थिक सुधार: ऋण पुनर्गठन और निवेश प्रमुख प्राथमिकताएं हैं।
- महत्वपूर्ण खनिज: जाम्बिया के तांबे और कोबाल्ट संसाधन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में इसके महत्व को बढ़ाते हैं।
- भारत-अफ्रीका संबंध: जाम्बिया व्यापार, विकास सहयोग और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- व्यक्ति: Hakainde Hichilema
- देश: जाम्बिया
- उपलब्धि: दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुने गए
- चुनाव: 2026 जाम्बिया के राष्ट्रपति चुनाव
- पार्टी: यूपीएनडी
- राजधानी: लुसाका
- मुद्रा: जाम्बियन क्वाचा
- प्रमुख संसाधन: तांबा
- रणनीतिक लिंक: अफ्रीकी राजनीति, महत्वपूर्ण खनिज, आर्थिक सुधार और भारत-अफ्रीका संबंध

अभ्यास मैत्री: आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास

- भारत और थाईलैंड भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री-XV के 15 वें संस्करण का आयोजन कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए सैन्य सहयोग, अंतर-संचालन और संयुक्त क्षमताओं को मजबूत करना है। यह अभ्यास 2026 में थाईलैंड में आयोजित किया जा रहा है।

अभ्यास इस पर केंद्रित है:

- संयुक्त योजना और सामरिक अभ्यास
- शहरी और जंगल के वातावरण में आतंकवाद विरोधी अभियान
- घेराबंदी और खोज अभियान
- कमरे का हस्तक्षेप और बंधक-बचाव अभ्यास
- विशेष हथियार और फायरिंग कौशल
- खुफिया, निगरानी और टोही
- छोटी-टीम सम्मिलन और निष्कर्षण
- ड्रोन और काउंटर-ड्रोन ऑपरेशन
- शारीरिक फिटनेस और लड़ाकू कंडीशनिंग

अन्य भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य/रक्षा अभ्यास:

भारत-थाईलैंड द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास:

- भारतीय नौसेना और रॉयल थाई नौसेना के बीच पहला द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास दिसंबर 2023 में आयोजित किया गया था। इसमें सतह और वायु-रोधी अभ्यास, हथियारों से फायरिंग, नाविक कौशल विकास और सामरिक युद्धाभ्यास शामिल थे।

इंडो-थाई कॉरपेट:

- CORPAT - समन्वित गश्ती। भारत और थाईलैंड समुद्री सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने के लिए अंडमान सागर में समन्वित नौसैनिक गश्त करते हैं। 36वां संस्करण दिसंबर 2023 में पहले द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास के साथ आयोजित किया गया था।

पासेक्स:

- PASSEX (पैसेज एक्सरसाइज) नौसैनिक बलों के बीच आयोजित किया जाता है, आमतौर पर जब एक नौसेना के जहाज दूसरे देश के बंदरगाह पर जाते हैं या एक साथ काम करते हैं। जनवरी 2026 में, भारतीय नौसेना के जहाजों ने फुकेत के पास रॉयल थाई नेवी के एचटीएमएस हुआहिन के साथ पासेक्स का आयोजन किया।

भारत-थाईलैंड रक्षा संबंध:

- रक्षा सहयोग भारत-थाईलैंड संबंधों का एक महत्वपूर्ण घटक है। संयुक्त अभ्यास, सैन्य आदान-प्रदान, प्रशिक्षण कार्यक्रम और पेशेवर बातचीत अधिक पारस्परिकता और आपसी समझ में योगदान करती है।
- यह साझेदारी भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का भी समर्थन करती है, जो दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ मजबूत जुड़ाव और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अधिक क्षेत्रीय सहयोग चाहती है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- व्यायाम: मैत्री
- देश: भारत और थाईलैंड
- प्रतिभागी: भारतीय सेना और रॉयल थाई सेना
- पहली स्थापना: 2006
- 2025 संस्करण: मैत्री-XIV
- 2025 स्थान: उमरोई, मेघालय
- फोकस: आतंकवाद और उग्रवाद का मुकाबला
- रणनीतिक लिंक: एक्ट ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक सुरक्षा

शबनम सिन्हा एयरटेल पेमेंट्स बैंक के चेयरपर्सन के रूप में सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगे

- शबनम सिन्हा को सुनील भारती मित्तल के स्थान पर एयरटेल पेमेंट्स बैंक का अगला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह बैंक के बोर्ड और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मंजूरी के बाद 1 अक्टूबर 2026 से तीन साल के कार्यकाल के लिए पद ग्रहण करेंगी।

शबनम सिन्हा के बारे में:

- शबनम सिन्हा वर्तमान में एयरटेल पेमेंट्स बैंक के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक हैं। वह धोखाधड़ी की निगरानी के लिए बैंक की विशेष समिति की अध्यक्षता करती हैं और इसकी जोखिम प्रबंधन और आईटी समितियों की सदस्य भी हैं। उनके पास विश्व बैंक के साथ महत्वपूर्ण अनुभव सहित विकास वित्त, वित्तीय सेवाओं, सार्वजनिक नीति, शासन और संस्थागत परिवर्तन में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है।

सुनील भारती मित्तल के बारे में:

- भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने अप्रैल 2016 से एयरटेल पेमेंट्स बैंक के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। वह अपना कार्यकाल समाप्त करेंगे और 30 सितंबर 2026 को बैंक के बोर्ड से हट जाएंगे। उनके नेतृत्व में, बैंक ने अपने डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय समावेशन नेटवर्क का काफी विस्तार किया।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक:

- एयरटेल पेमेंट्स बैंक आरबीआई द्वारा विनियमित एक भुगतान बैंक है, जो बचत खाते, डिजिटल भुगतान, धन हस्तांतरण, बिल भुगतान और अन्य बैंकिंग से संबंधित सेवाएं प्रदान करता है। यह एयरटेल थैंक्स ऐप और पूरे भारत में बैंकिंग पॉइंट्स के एक बड़े नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता है।
- बैंक वर्तमान में 121 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं, लगभग 30 मिलियन बैंक-खाता ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है, और इसके पास 5 लाख से अधिक बैंकिंग पॉइंट हैं।

भुगतान बैंक - मुख्य तथ्य:

- वित्तीय समावेशन और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई द्वारा भुगतान बैंक शुरू किए गए थे।
- नियामक सीमा के अधीन जमा स्वीकार कर सकते हैं।
- ऋण प्रदान करने जैसी पारंपरिक ऋण गतिविधियों को शुरू नहीं कर सकते हैं।

- भुगतान और प्रेषण सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।
- एटीएम/डेबिट कार्ड जारी कर सकते हैं।
- भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित होते हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- व्यक्ति: शबनम सिन्हा
- नया पद: अध्यक्ष, एयरटेल पेमेंट्स बैंक
- अवधि: 3 अक्टूबर 1 से 2026 वर्ष
- पूर्ववर्ती: सुनील भारती मित्तल
- नियामक: भारतीय रिज़र्व बैंक
- पिछली भूमिका: स्वतंत्र निदेशक, एयरटेल पेमेंट्स बैंक
- प्रमुख विशेषज्ञता: विकास वित्त, शासन, सार्वजनिक नीति और वित्तीय सेवाएं
- रणनीतिक लिंक: वित्तीय समावेशन और डिजिटल बैंकिंग

सुरक्षित शक्ति अभियान: महिलाओं की सुरक्षा और डिजिटल सुरक्षा के लिए गुजरात पुलिस की पहल

- गुजरात पुलिस ने महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 28 दिवसीय राज्यव्यापी "सुरक्षित शक्ति" अभियान शुरू किया है।
- यह पहल निवारक पुलिसिंग, डिजिटल-सुरक्षा जागरूकता, पीड़ित सहायता, सामुदायिक भागीदारी और प्रदर्शन-आधारित निगरानी को जोड़ती है।

प्रमुख विशेषताऐं:

- अभियान चार व्यापक क्षेत्रों पर केंद्रित है- रोकथाम और सुरक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण, समर्थन और प्रवर्तन, और स्थिरता।
- पुलिस इकाइयों को संवेदनशील स्थानों की पहचान करने, गश्त को मजबूत करने और महिलाओं को लक्षित करने वाले अपराधों और उत्पीड़न के खिलाफ निवारक उपाय करने का निर्देश दिया गया है। जवाबदेही और साक्ष्य संग्रह में सुधार के लिए शरीर पर पहने जाने वाले कैमरों और प्रौद्योगिकी-सक्षम पुलिसिंग के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

डिजिटल सुरक्षा फोकस:

- एक प्रमुख घटक महिलाओं और लड़कियों के सामने आने वाले उभरते साइबर खतरों के बारे में जागरूकता है, जिसमें शामिल हैं:
- साइबरबुलिंग
- ऑनलाइन ग्रूमिंग
- सेक्सटॉर्शन
- डीपफेक
- ओटीपी धोखाधड़ी
- क्यूआर-कोड घोटाले
- यह अभियान आपातकालीन और सहायता तंत्र के बारे में जागरूकता को भी बढ़ावा देगा, जिसमें 112 - आपातकाल; 181 - महिला हेल्पलाइन 1930 - साइबर क्राइम हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर के साथ।

सामुदायिक भागीदारी:

- स्कूल, कॉलेज, एनसीसी, एनएसएस, गैर सरकारी संगठन और स्थानीय समुदाय सुरक्षा प्रतिज्ञाओं, जागरूकता कार्यक्रमों, सामुदायिक बैठकों और आत्मरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से भाग लेंगे। महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध सहायता प्रणालियों को समझने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रदर्शन-आधारित पुलिसिंग:

- यह पहल पुलिस के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए एक KPI-आधारित निगरानी प्रणाली पेश करती है। अपराध से संबंधित संकेतकों में सुधार को 40 प्रतिशत महत्व दिया गया है, जबकि सार्वजनिक प्रतिक्रिया, पुलिस प्रतिक्रिया और नवीन प्रथाओं को अपनाने पर भी विचार किया जाएगा।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- पहल: सुरक्षित शक्ति
- द्वारा लॉन्च किया गया: गुजरात पुलिस
- अवधि: 28 दिन
- लक्ष्य समूह: महिलाएं और लड़कियां
- प्रमुख फोकस: शारीरिक सुरक्षा + डिजिटल सुरक्षा
- निगरानी: KPI-आधारित प्रदर्शन मूल्यांकन
- रणनीतिक लिंक: महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक पुलिसिंग और साइबर अपराध की रोकथाम

भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग: MQ-9B ड्रोन लीज अनुबंध

- अमेरिका ने एमक्यू-9बी रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) को पट्टे पर देने के लिए भारत के रक्षा अनुबंध का स्वागत किया है और इसे भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।
- यह घटनाक्रम मानव रहित हवाई प्रणालियों, समुद्री निगरानी और खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) क्षमताओं में दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग को उजागर करता है।

एमक्यू-9बी:

- एमक्यू-9बी एक लंबे समय तक चलने वाला, दूर से संचालित विमान है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका के जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स द्वारा विकसित किया गया है। यह लगातार खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) मिशनों के लिए डिज़ाइन किया गया है और विस्तारित अवधि के लिए काम कर सकता है।
- MQ-9B परिवार में स्काईगार्जियन और सीगार्जियन जैसे वेरिएंट शामिल हैं, जिनमें से बाद वाले विशेष रूप से समुद्री निगरानी के लिए उपयुक्त हैं।

भारत का MQ-9B अधिग्रहण:

- भारत अमेरिका के साथ सहयोग के माध्यम से अपनी मानव रहित निगरानी क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। अक्टूबर 2024 में, भारत और अमेरिका ने 31 MQ-9B HALE (हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस) सशस्त्र ड्रोन की खरीद के लिए एक बड़ा समझौता किया - भारतीय नौसेना के लिए 15 सीगार्डियन और भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के लिए 8-8।
- इन प्रणालियों का उद्देश्य समुद्री डोमेन जागरूकता, सीमा निगरानी, पनडुब्बी रोधी युद्ध समर्थन और सटीक स्ट्राइक ऑपरेशन में भारत की क्षमताओं को बढ़ाना है।

प्रमुख विशेषताएं:

- हेल: उच्च ऊंचाई लंबी सहनशक्ति
- लंबे समय तक चलने वाला आईएसआर: लंबे समय तक निगरानी मिशन को सक्षम बनाता है।
- उपग्रह संचार: बड़ी दूरी पर संचालन का समर्थन करता है।
- समुद्री निगरानी: सीगार्जियन संस्करण को समुद्री मिशनों के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- सटीक प्रहार क्षमता: सशस्त्र संस्करण सटीक-निर्देशित हथियारों का उपयोग कर सकते हैं।

भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी:

- रक्षा सहयोग भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ बन गया है। महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सैन्य अभ्यास, रक्षा प्रौद्योगिकी, रसद सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करना और रक्षा औद्योगिक सहयोग शामिल हैं।
- जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत और अमेरिका भी क्वाड में भागीदार हैं, जो एक स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत पर केंद्रित है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- सिस्टम: एमक्यू -9 बी
- श्रेणी: HALE दूर से संचालित विमान
- निर्माता: सामान्य परमाणु
- देश: संयुक्त राज्य अमेरिका
- वेरिएंट: स्काईगार्जियन और सीगार्जियन
- प्राथमिक भूमिका: आईएसआर और निगरानी
- भारतीय अधिग्रहण: 31 MQ-9B विमान
- भारतीय नौसेना: 15 समुद्री संरक्षक
- सेना और वायु सेना: 8-8
- रणनीतिक लिंक: भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग और इंडो-पैसिफिक सुरक्षा

भारत ने भूटान में तीन उच्च प्रभाव वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया

- भारत और भूटान ने भूटान में तीन उच्च प्रभाव वाली विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) के उद्घाटन के साथ अपनी विकास साझेदारी को और मजबूत किया है। ये परियोजनाएं भारत-भूटान विकास सहयोग के ढांचे के तहत भूटान के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दर्शाती हैं।

मुख्य विचार:

- तीन परियोजनाएं भूटान के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं और सामुदायिक बुनियादी ढांचे, शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इनका उद्घाटन उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) तंत्र के माध्यम से भूटान को भारत की चल रही सहायता के हिस्से के रूप में किया गया।
- एचआईसीडीपी छोटे पैमाने पर, समुदाय-उन्मुख परियोजनाएं हैं जिनकी पहचान स्थानीय समुदायों और भूटान की शाही सरकार के परामर्श से की जाती है और उन्हें कार्यान्वित किया जाता है। वे जमीनी स्तर पर तत्काल विकासात्मक जरूरतों को पूरा करते हैं।

भारत-भूटान विकास साझेदारी:

- भारत भूटान के प्रमुख विकास भागीदारों में से एक है और उसने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, बुनियादी ढांचे, डिजिटल कनेक्टिविटी, ऊर्जा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में परियोजनाओं का समर्थन किया है।
- भारत की विकास सहायता भूटान की अपनी प्राथमिकताओं द्वारा निर्देशित है और इसका उद्देश्य सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।

जलविद्युत सहयोग:

- पनबिजली भारत-भूटान आर्थिक सहयोग का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है। भूटान में महत्वपूर्ण पनबिजली क्षमता है, जबकि भारत भूटानी बिजली के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है।

भारत समर्थित प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं में शामिल हैं:

- चूखा जल विद्युत परियोजना – 336 मेगावाट
- कुरिचू जलविद्युत परियोजना – 60 मेगावाट
- ताला जलविद्युत परियोजना – 1,020 मेगावाट
- मंगदेछू जलविद्युत परियोजना – 720 मेगावाट
- पुनात्सांगचू-I और पुनात्सांगचू-II परियोजनाएं भी द्विपक्षीय जल विद्युत सहयोग के महत्वपूर्ण घटक हैं।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- भूटान: हिमालयी भूमि से घिरा देश
- राजधानी: थिम्पू
- मुद्रा: Ngultrum
- राजभाषा: Dzongkha
- राज्य के प्रमुख: राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक
- सरकार: संवैधानिक राजतंत्र
- भारत-भूटान राजनयिक संबंध: 1968 में स्थापित
- संधि: भारत-भूटान मैत्री संधि, 2007
- सामरिक महत्व: हिमालयी सुरक्षा, पनबिजली, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय सहयोग

परीक्षा फोकस बिंदु:

- देश: भूटान
- परियोजनाएं: तीन उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाएं
- प्रकृति: समुदाय-उन्मुख विकास सहायता
- प्रमुख सहयोग क्षेत्र: जल विद्युत और विकास साझेदारी
- राजनयिक संबंध: 1968
- मैत्री संधि: 2007
- राजधानी: थिम्पू
- मुद्रा: Ngultrum
- रणनीतिक लिंक: भारत की पड़ोसी पहले नीति और हिमालयी सहयोग

भारत-आर्मेनिया ने रक्षा नवाचार और साझा उत्पादन पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

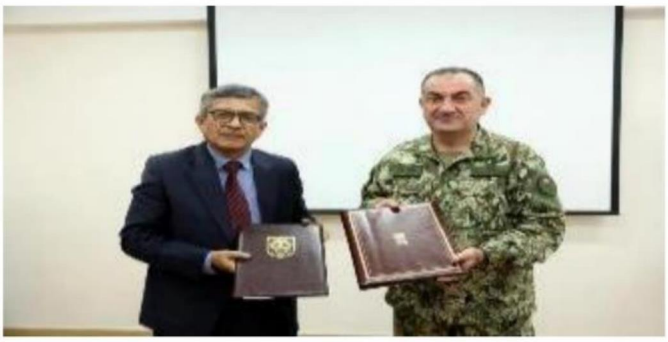

- भारत और आर्मेनिया ने रक्षा उद्योग में नवाचार, प्रौद्योगिकी और साझा उत्पादन में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और रक्षा उपकरणों के संयुक्त विकास और निर्माण के अवसरों का विस्तार करना है।

मुख्य विचार:

- समझौता ज्ञापन निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने का प्रयास करता है:
- रक्षा नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियां
- रक्षा प्रणालियों का संयुक्त विकास और उत्पादन
- प्रौद्योगिकी और ज्ञान साझा करना
- रक्षा उद्योगों और संस्थानों के बीच सहयोग
- सह-उत्पादन और औद्योगिक साझेदारी के अवसरों की पहचान
- यह समझौता रक्षा स्वदेशीकरण और निर्यातोन्मुखी रक्षा विनिर्माण पर भारत के बढ़ते जोर को दर्शाता है।

भारत-आर्मेनिया रक्षा संबंध:

- रक्षा सहयोग भारत-आर्मेनिया द्विपक्षीय संबंधों के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है। भारत ने आर्मेनिया को कई रक्षा प्लेटफार्मों और प्रणालियों की आपूर्ति की है, जिससे एक उभरते हुए रक्षा भागीदार के रूप में अपनी भूमिका मजबूत हुई है।
- भारत ने आर्मेनिया को पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, स्वाति वेपन-लोकेटिंग रडार और गोला-बारूद सहित प्रणालियों का निर्यात किया है। इस तरह का सहयोग एक रक्षा निर्यातक के रूप में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है।

भारत के लिये महत्व:

- रक्षा निर्यात: अपने वैश्विक रक्षा-निर्यात पदचिह्न का विस्तार करने के भारत के उद्देश्य का समर्थन करता है।
- आत्मनिर्भर भारत: रक्षा प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास और विनिर्माण को प्रोत्साहित करता है।
- प्रौद्योगिकी सहयोग: उन्नत और उभरती रक्षा प्रौद्योगिकियों में सहयोग को बढ़ावा देता है।
- रणनीतिक आउटरीच: दक्षिण काकेशस क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव को मजबूत करता है।
- औद्योगिक सहयोग: भारतीय और अर्मेनियाई रक्षा कंपनियों के लिए संयुक्त रूप से प्रणालियों के विकास और निर्माण के अवसर पैदा करता है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- आर्मेनिया: दक्षिण काकेशस में भूमि से घिरा देश
- राजधानी: येरेवन
- मुद्रा: अर्मेनियाई ड्राम
- अध्यक्ष: वाहगन खाचतुरियन
- प्रधान मंत्री: निकोल पशिनयान
- क्षेत्र: दक्षिण काकेशस
- भारत-आर्मेनिया राजनयिक संबंध: सोवियत संघ से आर्मेनिया की स्वतंत्रता के बाद 1992 में स्थापित।
- आर्मेनिया को प्रमुख भारतीय रक्षा निर्यात: पिनाका सिस्टम, स्वाति रडार और गोला-बारूद।

रक्षा स्वदेशीकरण:

- भारत ने आयात पर निर्भरता कम करने और घरेलू रक्षा उत्पादन बढ़ाने के लिए मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची और रक्षा-औद्योगिक गलियारे जैसी पहल शुरू की हैं।
- भारत एक प्रमुख रक्षा निर्यातक बनने की भी कोशिश कर रहा है, जिसमें स्वदेशी प्लेटफॉर्म और सिस्टम तेजी से भागीदार देशों को पेश किए जा रहे हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- देश: भारत और आर्मेनिया
- समझौता: रक्षा नवाचार और साझा उत्पादन पर समझौता ज्ञापन
- फोकस: रक्षा प्रौद्योगिकी, नवाचार और सह-उत्पादन
- अर्मेनियाई राजधानी: येरेवन
- मुद्रा: अर्मेनियाई ड्राम
- राजनयिक संबंध: 1992
- भारतीय रक्षा निर्यात: पिनाका, स्वाति रडार और गोला-बारूद
- रणनीतिक लिंक: आत्मनिर्भर भारत और रक्षा निर्यात

RBI ने इंडसइंड बैंक और तीन NBFC पर नियामकीय चूक के लिए जुर्माना लगाया

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नियामक निर्देशों का पालन न करने के लिए इंडसइंड बैंक लिमिटेड और तीन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) पर कुल ₹71.20 लाख का मौद्रिक जुर्माना लगाया है।
- यह कार्रवाई आरबीआई के पर्यवेक्षी निरीक्षणों के बाद की गई और वित्तीय क्षेत्र में नियामक अनुपालन और आंतरिक नियंत्रण के महत्व पर प्रकाश डाला।

संस्थाओं को दंडित किया गया:

- इंडसइंड बैंक: ₹59.20 लाख ₹ सबसे अधिक जुर्माना।
- नॉर्दर्न आर्क कैपिटल लिमिटेड
- मुथूट एमसीरेड लिमिटेड
- फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड

- इंडसइंड बैंक, नॉर्दर्न आर्क कैपिटल और फ्यूजन फाइनेंस का निरीक्षण 31 मार्च 2025 तक उनकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में आयोजित किया गया था।

नियामक अनुपालन:

- भारतीय रिज़र्व बैंक तब जुर्माना लगाता है जब विनियमित संस्थाएं लागू कानूनों, विनियमों या पर्यवेक्षी निर्देशों का पालन करने में विफल रहती हैं। इस तरह के जुर्माने का उद्देश्य ठोस शासन, ग्राहक संरक्षण, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देना है।
- महत्वपूर्ण रूप से, आरबीआई आम तौर पर स्पष्ट करता है कि नियामक कमियों के लिए मौद्रिक जुर्माना अपने आप में ग्राहक लेनदेन या समझौतों को अमान्य नहीं करता है; यह नियामक आवश्यकताओं का पालन करने में इकाई की विफलता से संबंधित है।

NBFC के बारे में:

- एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) एक ऐसी कंपनी है जो ऋण और निवेश जैसी वित्तीय गतिविधियों में लगी हुई है, लेकिन बैंक नहीं है। एनबीएफसी को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 और अन्य लागू विनियमों के तहत आरबीआई द्वारा विनियमित किया जाता है।
- एनबीएफसी एमएसएमई, खुदरा उधारकर्ताओं, आवास और कम सेवा वाले क्षेत्रों जैसे क्षेत्रों को ऋण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- नियामक: भारतीय रिज़र्व बैंक
- कुल जुर्माना: ₹71.20 लाख
- इंडसइंड बैंक पर सबसे ज्यादा जुर्माना: 59.20 लाख रुपये
- संस्थाएं: इंडसइंड बैंक + 3 एनबीएफसी
- निरीक्षण संदर्भ: 31 मार्च 2025
- प्रमुख विषय: नियामक अनुपालन, पर्यवेक्षण, शासन और जोखिम प्रबंधन

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संस्थान: आरबीआई
- कार्रवाई: मौद्रिक दंड
- कुल राशि: ₹71.20 लाख
- बैंक दंडित: इंडसइंड बैंक
- एनबीएफसी: नॉर्दर्न आर्क कैपिटल, मुथूट एमसीरेड और फ्यूजन फाइनेंस
- रणनीतिक लिंक: बैंकिंग विनियमन, एनबीएफसी पर्यवेक्षण और वित्तीय स्थिरता

लेट्स रिवाइज

- 2026 में नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक किसे प्रदान की गई है? भारत के सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ।
- ग्रासलैंड्स और अन्य खुले प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के लिए भारत की पहली गाइड कहाँ लॉन्च की गई थी? मंगोलिया के उलानबातर में यूएनसीसीडी सीओपी17।
- दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए जाम्बिया के राष्ट्रपति के रूप में किसे फिर से चुना गया है? हाकैंडे हिचिलेमा।
- मैत्री भारत और किस देश के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है? थाईलैंड।
- एयरटेल पेमेंट्स बैंक के अध्यक्ष के रूप में सुनील भारती मित्तल का स्थान कौन लेगा? शबनम सिन्हा।
- हाल ही में किस राज्य ने सुरक्षित शक्ति पहल शुरू की है? गुजरात।
- कौन सी मानव रहित विमान प्रणाली नवीनतम भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग के केंद्र में है? एमक्यू-9बी।
- अगस्त 2026 में भारत ने भूटान में किस प्रकार की परियोजनाओं का उद्घाटन किया? तीन उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाएं (एचआईसीडीपी)।
- भारत ने हाल ही में रक्षा उद्योग में नवाचार और साझा उत्पादन के लिए किस देश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए? आर्मीनिया।
- किस संस्था ने इंडसइंड बैंक और तीन एनबीएफसी पर कुल ₹71.20 लाख का जुर्माना लगाया? भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई)।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 achievers_ias_patna PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy www.achieversiaspatna.co.in Achievers IAS Academy, PATNA